



भारतीय रिज़र्व बैंक  
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : [www.rbi.org.in/hindi](http://www.rbi.org.in/hindi)

Website : [www.rbi.org.in](http://www.rbi.org.in)

ई-मेल/email: [helpdoc@rbi.org.in](mailto:helpdoc@rbi.org.in)

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, एस.बी.एस.मार्ग, मुंबई-400001

Department of Communication, Central Office, S.B.S.Marg, Mumbai-400001

फोन/Phone: 022- 22660502

30 जून 2021

## वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान भारत के भुगतान संतुलन की गतिविधियां

चौथी तिमाही (क्यू4) अर्थात् जनवरी-मार्च 2020-21 के लिए भारत के भुगतान संतुलन (बीओपी) से संबंधित प्रारंभिक आंकड़े [विवरण-I \(बीपीएम6 फॉर्मेट\)](#) और [II \(पुराना फॉर्मेट\)](#) में प्रस्तुत किए गए हैं।

### 2020-21 की चौथी तिमाही के दौरान भारत के भुगतान संतुलन की मुख्य विशेषताएं

- भारत के चालू खाता शेष (सीएबी) ने 2019-20 की चौथी तिमाही में 0.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 0.1 प्रतिशत) के अधिशेष और पिछली तिमाही अर्थात्, 2020-21 की तीसरी तिमाही में 2.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (सकल घरेलू उत्पाद का 0.3 प्रतिशत) के घाटे की तुलना में 2020-21 की चौथी तिमाही में 8.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.0 प्रतिशत) का घाटा दर्ज किया।
- 2020-21 की चौथी तिमाही में चालू खाता घाटा मुख्य रूप से पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उच्च व्यापार घाटे तथा न्यून निवल अदृश्य प्राप्तियों के कारण था।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कंप्यूटर, परिवहन और व्यावसायिक सेवाओं से निवल आय में वृद्धि के कारण निवल सेवा प्राप्तियों में वृद्धि हुई।
- निजी विप्रेषण प्राप्तियां, जो मुख्य रूप से विदेशों में कार्यरत भारतीयों द्वारा प्रेषण का प्रतिनिधित्व करती हैं, एक वर्ष पहले के स्तर से 1.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर रही।
- प्राथमिक आय खाते से निवल व्यय, जो मुख्य रूप से निवल विदेशी निवेश आय भुगतान को दर्शाता है, एक वर्ष पहले के 4.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 8.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- वित्तीय खाते में, 2.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 2019-20 की चौथी तिमाही में 12.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर से कम था।
- 2019-20 की चौथी तिमाही में 13.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की गिरावट की तुलना में मुख्य रूप से इक्विटी बाजार में निवल खरीद के कारण निवल विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) में 7.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई।
- भारत के लिए निवल बाह्य वाणिज्यिक उधार एक वर्ष पहले के 9.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में 2020-21 की चौथी तिमाही में कम होकर 6.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

- विदेशी मुद्रा भंडार (बीओपी के आधार पर) में 2019-20 की चौथी तिमाही में 18.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि की तुलना में 3.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई (तालिका 1)।

### 2020-21 के दौरान बीओपी

- 2019-20 में 157.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 102.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक के व्यापार घाटे में बृहद संकुचन के आधार पर चालू खाता शेष ने 2019-20 में 0.9 प्रतिशत की घाटे की तुलना में 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद का 0.9 प्रतिशत अधिशेष दर्ज किया।
- विदेशी निवेश आय भुगतानों के निवल व्यय में वृद्धि और निवल निजी विप्रेषण प्राप्तियों के कम होने के कारण 2020-21 में निवल अदृश्य प्राप्तियां कम थीं, भले ही निवल सेवा प्राप्तियां एक वर्ष पहले की तुलना में अधिक थीं।
- 2020-21 में 44.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवल एफडीआई प्रवाह 2019-20 में 43.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक था।  
एक वर्ष पहले के 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में 2020-21 में निवल एफपीआई में 36.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई।
- भारत में बाह्य वाणिज्यिक उधारी में 2019-20 में 21.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में 0.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अंतर्वाह दर्ज किया गया।
- 2020-21 में, विदेशी मुद्रा भंडार (बीओपी के आधार पर) में 87.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई।

